

श्याम क्यूँ रूठ गए खाटूश्याम भजन लिरिक्स



मैंने कियो कौन अपराध,
श्याम क्यूँ रूठ गए,
झट पट खोलो सरकार,
श्याम क्यूँ रूठ गये,
मन दर्शन बिन बेचैन,
श्याम क्यूँ रूठ गये।bd।

रोज़ नियम से दर्शन करते,
प्रेम भाव तुझे अर्पण करते,
तूने कैसे दिया बिसार,
श्याम क्यूँ रूठ गये,
मन दर्शन बिन बेचैन,
श्याम क्यूँ रूठ गये।bd।

भूल चूक की माफ़ी दे दो,
एक टेम की झाँकी दे दो,
अब मान जाओ सरकार,
श्याम क्यूँ रूठ गये,
मन दर्शन बिन बेचैन,
श्याम क्यूँ रूठ गये।bd।

विरह वेदना सही ना जाये,
और किसी से कही ना जाए,
‘पप्पू शर्मा’ अब गया हार,
श्याम क्यूँ रूठ गये,
मन दर्शन बिन बेचैन,
श्याम क्यूँ रूठ गये।bd।

मैंने कियो कौन अपराध,
श्याम क्यूँ रूठ गए,
झट पट खोलो सरकार
श्याम क्यूँ रूठ गये,
मन दर्शन बिन बेचैन,
श्याम क्यूँ रूठ गये।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>

